मीटिंग

जैसा कि सबको पता ही है कि चैत्र के यज्ञ की मीटिंग पर सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ में लिखित दोनों पैगाम वाले कीर्तन बोल कर तद्नुसार भाव-स्वभाव अपनाने व व्यवहार दर्शाने का समझौता दिया गया ताकि इस वाणी पर अमल फरमाने से हम अन्दर और बाहर दोनों का रोना-झुखना बंद कर सकें और अपनी जिह्वा को स्वतन्त्र कर अफुर अवस्था को धारण कर लें।

तत्पश्चात् सजनों सावन की मीटिंग पर हमें अपने भाव-स्वभावों से कलियुग हटा, 'हौं-मैं" को मिटाकर, शरीर रूपी घर सतयुग बनाने का समझौता दिया गया ताकि हम विराट् दृष्टि पर खड़े होकर ब्रह्म-वृत्ति को ठहरा सकें। इसी के साथ ही हमें जिह्वा स्वतन्त्र, संकल्प स्वच्छ और निगाह कंचन कर बुजुर्गों, बच्चों और गृहस्थ के फ़र्ज़ अदा के बारे में बताते हुए गृहस्थ-आश्रम ठीक ढंग से चलाने के लिए कहा व समझाया गया।

इसके बाद कार्तिक की मीटिंग पर सजनों हमें अब तक बताए सबक के बारे में अपनी जाँचना तुलना करते हुए विचार शब्द तथा समभाव-समदृष्टि को परिपक्वता से ठहराने का समझौता दिया गया।

सजनों इस गदे के यज्ञ की मीटिंग पर पुनः दोनों पैगामों वाले कीर्तन खुद पढ़ते व समझते हुए हमने अब तक मिले सबक के बारे में अपनी जाँचना कर अपना इम्तहान लेना है और उन सबकी परिपक्वता या कमज़ोरी के बारे में पास, फ़ेल का नतीजा समझ जो कमज़ोरी नज़र आए उसे दूर करने हेतु दिनाँक 23 फरवरी से निम्नलिखित मंत्र का पौने दो महीने जाप करना हैः-

श्री राम ओ रोम रोम में रम रिहा
हर जनचर में जड़ प्रकाशे, चेतन प्रकाशे
श्री राम ओ रोम रोम में रम रिहा हर बनचर में
साडा है सजन राम, राम है कुल जहान

पौने दो महीने इस मंत्र के जाप द्वारा अपनी कमज़ोरियों को पूर्णतः दूर करने के पश्चात् सजनों चैत्र के यज्ञ पर हमें समभाव-समदृष्टि के सबक पर परिपूर्णता से खड़े होकर आना है ताकि हम इस वर्ष चैत्र के यज्ञ पर फ़र्स्ट का नतीजा सुना परमपद की प्राप्ति कर सकें। इस हेतु सजनों सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ में कहा गया हैः-

पुरुषार्थ सजनों यत्न करो, ओन्हां इक सवाल समझाया है

अनेक सवाल छुड़ाए के ओ नगर निवासियों महाबीर जी पर उपकार दिखाया है

इस प्रकार सजनों समभाव-समदृष्टि के सबक अनुसार सच्चाई धर्म के रास्ते पर निष्काम भाव से बने रहने वाले इन्सान बन नेकी कमाओ और अपने गृहस्थाश्रम को सतयुग बना जीवन का भरपूर आनन्द प्राप्त करने के साथ-साथ अपना जीवन सफल बनाओ।